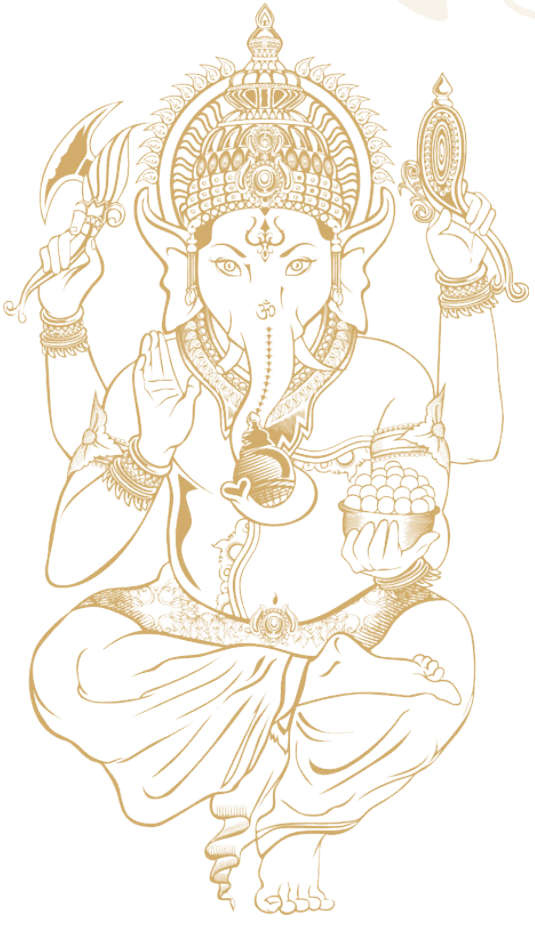

Mr.khushi kumari

20 Feb 2009

10:00 PM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784206

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/02/2009**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**22:00:00 घंटे**
इष्ट	39:03:11 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:09:40 घंटे
वेलान्तर	-00:13:45 घंटे
साम्पातिक काल	08:12:37 घंटे
सूर्योदय	06:22:43 घंटे
सूर्यास्त	17:45:45 घंटे
दिनमान	11:23:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:11:06 कुम्भ
लग्न के अंश	05:28:53 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धारिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:28:53	316:46:27	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	08:11:06	01:00:29	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	19:20:17	11:50:15	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मक	18:27:29	00:46:47	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			मक	12:57:56	01:14:54	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु			मक	16:48:30	00:13:44	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	नीच राशि
शुक्र			मीन	17:50:46	00:28:56	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	25:38:52	00:04:26	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
राहु			मक	15:12:58	00:01:30	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु			कर्क	15:12:58	00:01:30	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	27:28:04	00:03:17	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	00:15:28	00:02:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो			धनु	08:49:26	00:01:19	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	06:56:57	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:20

लग्न-चलित

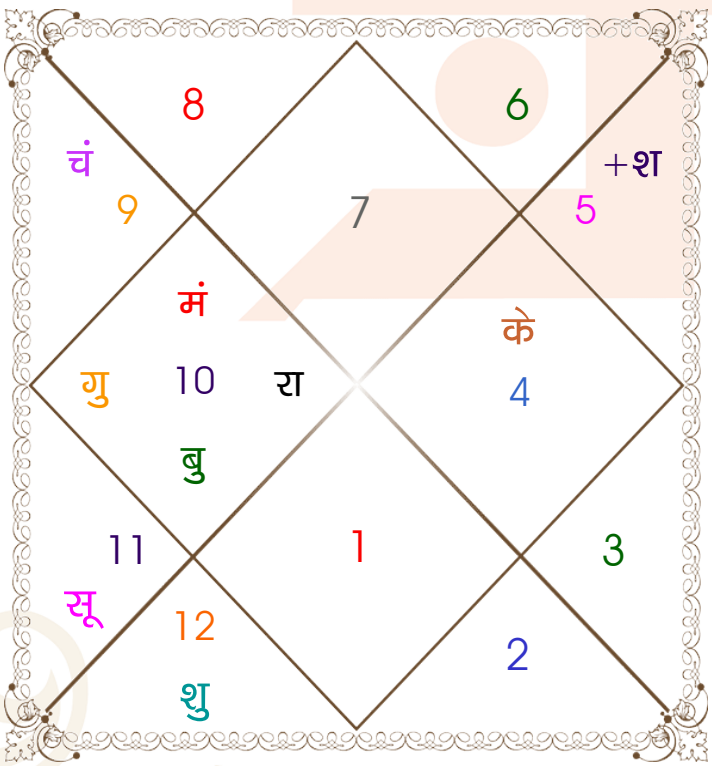

चन्द्र कुंडली

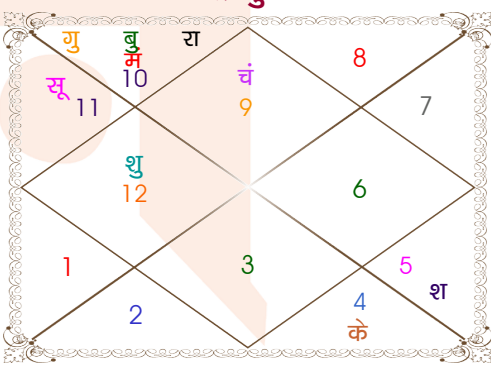

नवमांश कुंडली

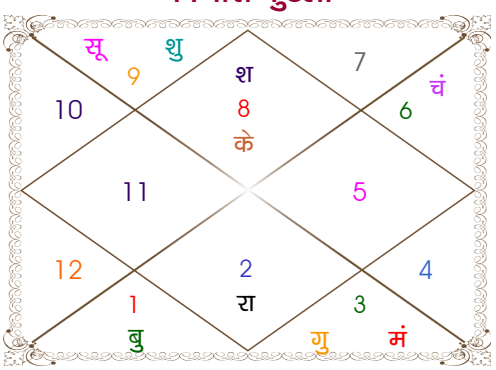

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 11 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/02/2009		19/02/2020		18/02/2026		19/02/2036		18/02/2043	
19/02/2020		18/02/2026		19/02/2036		18/02/2043		18/02/2061	
	00/00/0000	सूर्य	07/06/2020	चंद्र	20/12/2026	मंगल	17/07/2036	राहु	01/11/2045
	00/00/0000	चंद्र	07/12/2020	मंगल	21/07/2027	राहु	04/08/2037	गुरु	26/03/2048
	00/00/0000	मंगल	14/04/2021	राहु	18/01/2029	गुरु	11/07/2038	शनि	31/01/2051
	20/02/2009	राहु	08/03/2022	गुरु	20/05/2030	शनि	20/08/2039	बुध	20/08/2053
राहु	20/04/2010	गुरु	26/12/2022	शनि	20/12/2031	बुध	16/08/2040	केतु	07/09/2054
गुरु	19/12/2012	शनि	08/12/2023	बुध	20/05/2033	केतु	12/01/2041	शुक्र	07/09/2057
शनि	19/02/2016	बुध	13/10/2024	केतु	19/12/2033	शुक्र	14/03/2042	सूर्य	01/08/2058
बुध	20/12/2018	केतु	18/02/2025	शुक्र	20/08/2035	सूर्य	20/07/2042	चंद्र	31/01/2060
केतु	19/02/2020	शुक्र	18/02/2026	सूर्य	19/02/2036	चंद्र	18/02/2043	मंगल	18/02/2061

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/02/2061		18/02/2077		19/02/2096		19/02/2113		20/02/2120	
18/02/2077		19/02/2096		19/02/2113		20/02/2120		00/00/0000	
गुरु	08/04/2063	शनि	22/02/2080	बुध	17/07/2098	केतु	18/07/2113	शुक्र	21/06/2123
शनि	19/10/2065	बुध	01/11/2082	केतु	14/07/2099	शुक्र	17/09/2114	सूर्य	20/06/2124
बुध	25/01/2068	केतु	11/12/2083	शुक्र	15/05/2102	सूर्य	23/01/2115	चंद्र	19/02/2126
केतु	31/12/2068	शुक्र	09/02/2087	सूर्य	22/03/2103	चंद्र	24/08/2115	मंगल	21/04/2127
शुक्र	01/09/2071	सूर्य	22/01/2088	चंद्र	20/08/2104	मंगल	20/01/2116	राहु	21/02/2129
सूर्य	19/06/2072	चंद्र	23/08/2089	मंगल	17/08/2105	राहु	07/02/2117		00/00/0000
चंद्र	19/10/2073	मंगल	01/10/2090	राहु	06/03/2108	गुरु	14/01/2118		00/00/0000
मंगल	25/09/2074	राहु	07/08/2093	गुरु	12/06/2110	शनि	22/02/2119		00/00/0000
राहु	18/02/2077	गुरु	19/02/2096	शनि	19/02/2113	बुध	20/02/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 11 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।